

ईश्वरीय
खजाना
टीम
Presents

विशेष पुरुषार्थ

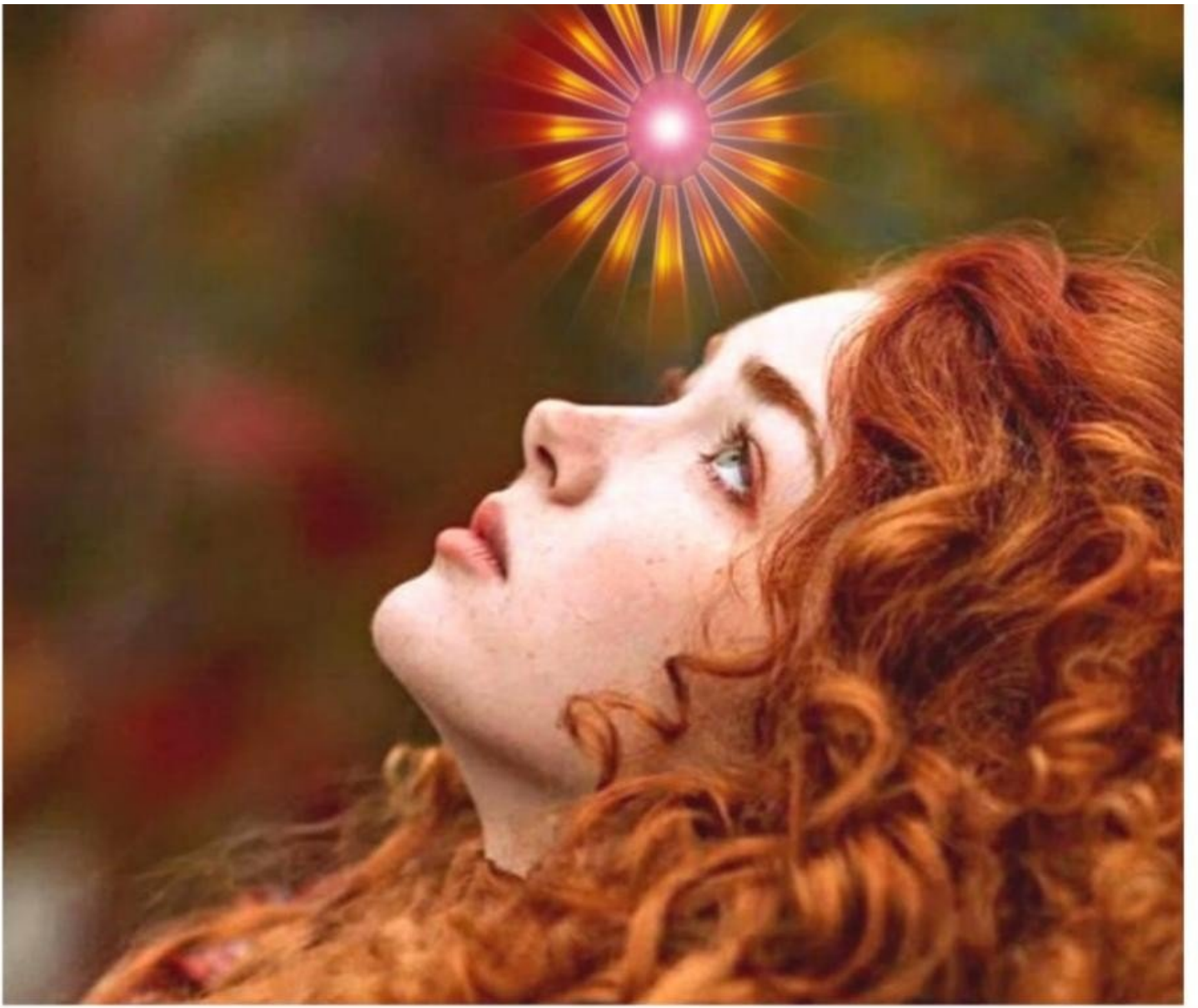
तीव्रता से आगे बढ़ने की श्रेष्ठ युक्तियां

यह श्रेष्ठ पुरुषार्थ की
भिन्न भिन्न युक्तियाँ
बाबा की रोज
जैसे मीठी थपकी है
अन्तर्मन में
जो समा ले इसे
जीवन में उसकी सफलता
शत प्रतिशत पक्की है...

जैसे नस-नस में ब्लड समाया होता है वैसे आत्मा में
निश-पल अर्थात् हर पल याद समाई हुई हो..



POWER OF HAPPINESS



**सेवाधारी अगर सेवा करते कभी यह
संकल्प भी उठाते हैं कि यह मैंने
किया, तो यह मैं-पन आना माना सारे
किये हुए कार्य पर पानी डाल देना।**



शिवशक्ति सरस्वती माँ

मम्मा ने कभी हंसी-मज़ाक करके अथवा व्यर्थ बातें करके अपना समय व्यर्थ नहीं गँवाया। मम्मा किसी का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित होने नहीं देती थीं। सदा उस माँ-बाप की ओर ही इशारा करती थीं। मम्मा में बहुत मधुरता थीं तो निर्भयता भी उतनी ही थी। मम्मा कहा करती थीं कि जीवन में जिस भगवान से डरना चाहिए वही हमारा बन गया, फिर डरना किससे? डरता वह है जो पाप कर्म करता है। हम तो श्रेष्ठ कर्म, सत्कर्म करने वाले हैं, ईश्वर की मत पर चलने वाले हैं, तो हम डरें क्यों?



"इसको साधारण बात नहीं समझना। यह पाँचवीं मंज़िल से गिरने की बात है"

कोई भी देहधारी में संकल्प से व कर्म से फँसना, इस विकारी देह रूपी साँप को टच करना अर्थात् अपनी की हुई अब तक की कमाई को खत्म करना है। चाहे कितना भी ज्ञान का अनुभव हो या याद द्वारा शक्तियों की प्राप्ति का अनुभव किया हो या तन-मन-धन से सेवा की हो, लेकिन सर्व प्राप्तियाँ इस देह रूपी साँप को टच करने से इस साँप के विष के कारण, जैसे विष मनुष्य को खत्म कर देता है, वैसे ही यह साँप भी अर्थात् देह में फँसने का विष सारी कमाई को खत्म कर देता है। पहले की हुई कमाई के रजिस्टर पर काला दाग पड़ जाता है जिसको मिटाना बहुत मुश्किल है। जैसे योग-अग्नि पिछले पापों को भस्म करती है वैसे यह विकारी भोग भोगने की अग्नि पिछले पुण्य को भस्म कर देती है। इसको साधारण बात नहीं समझना। यह पाँचवीं मंज़िल से गिरने की बात है। कई बच्चे अब तक अलबेलेपन के संस्कार-वश इस बात को कड़ी भूल व पाप कर्म नहीं समझते हैं। वर्णन भी ऐसा साधारण रूप में करते हैं कि मेरे से चार पाँच बार यह हो गया, आगे नहीं करूँगा। वर्णन करते समय भी पश्चाताप का रूप नहीं होता, जैसे साधारण समाचार सुना रहे हैं। अन्दर में लक्ष्य रहता है कि यह तो होता ही है मंज़िल तो बहुत ऊँची है, अभी यह कैसे होगा? लेकिन फिर भी आज ऐसे पाप आत्मा, ज्ञान की ग्लानि कराने वालों को बापदादा वार्निंग देते हैं कि आज से भी इस गलती को कड़ी भूल समझकर यदि मिटाया नहीं तो बहुत कड़ी सज़ा के अधिकारी बनेंगे। बार-बार अवज्ञा के बोझ से ऊँची स्थिति तक पहुँच नहीं सकेंगे। प्राप्ति करने वालों की लाइन के बजाय पश्चाताप करने वालों की लाइन में खड़े होंगे।

सहन करने की विधि

बापदादा 13.12.1995

सहन करने में घबराओ मत। क्यों घबराते हो? क्योंकि समझते हो कि झूठी बात में हम सहन क्यों करें? लेकिन सहन करने की आज्ञा किसने दी है? झूठ बोलने वाले ने दी है? कई बच्चे सहन करते भी हैं लेकिन मज़बूरी से सहन करना और मोहब्बत में सहन करना, इसमें अन्तर है। बात के कारण सहन नहीं करते हो लेकिन बाप की आज्ञा है सहनशील बनो। तो बाप की आज्ञा मानते हो तो परमात्मा की आज्ञा मानना ये खुशी की बात है ना कि मज़बूरी है? तो कई बार सहन करते भी हो लेकिन थोड़ा मिक्स होता है, मोहब्बत भी होती है, मज़बूरी भी होती है। सहन कर ही रहे हो तो क्यों नहीं खुशी से ही करो। मज़बूरी से क्यों करो! वो व्यक्ति सामने आता है ना तो मज़बूरी लगती है और बाप सामने आवे, कि बाप की आज्ञा पालन कर रहे हैं तो मोहब्बत लगेगी, मज़बूरी नहीं। तो ये शब्द नहीं सोचो। आजकल ये थोड़ा कॉमन हो गया है - मरना पड़ेगा, मरना पड़ेगा, कब तक मरना पड़ेगा, अन्त तक या दो साल, एक साल, 6 मास, फिर तो अच्छा मर जायें... लेकिन कब तक मरना है? लेकिन यह मरना नहीं है अधिकार पाना है। तो क्या करेंगे? मरेंगे? यह मरना शब्द खत्म कर दो।





“ हम लोगों से प्यार से बात करते हैं,
उनसे अच्छा व्यवहार करते हैं, लेकिन
कर्म - बोल और व्यवहार में नहीं,
उसके पीछे की सोच और भावना में है।

बोल और व्यवहार सबको दिखता है,
सोच और भावना सिर्फ हमें पता है।

श्रेष्ठ भावना ही श्रेष्ठ भाग्य बनाती है
Intentions Create Destiny ”



“ **"I am a POWERFUL BEING.**
I empower everyone I meet.
I appreciate them for who they are.

Today I share with each one...
Their qualities which make them beautiful souls.

I can see only goodness in every being." ”



Brahma Kumaris Websites

Main BK website www.shivbabas.org OR
www.brahmakumari.org (by SBS team)

Int'l website: www.brahmakumaris.org

India website: www.brahmakumaris.com

BK Sustenance website:
www.bksustenance.net

All Data hosted on www.bkdrluhar.com

Murli Websites: babamurli.net
and madhubanmurli.org

www.omshantimusic.net

www.bkgoogle.org

www.bksewa.org

www.bkinfo.in

www.bk.ooo

www.brahmakumari.org/centres

NEW

www.IshvariyaKhajana.BKhq.org